

फर्द अहकाम

जगजीत सिंह बनाम बंकिम सिंह

नाम न्यायालय He-II  
केस संख्या हापा-162/08

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
28/12/21		<p>पत्रावली वास्ते माईय पैश हुई   पत्रावली उभयपक्ष अंग   प्राप्ता 01R10 का मय पत्रावली अवलोकन किया गया   पत्रावली के अवलोकन पर प्रस्तुत जमाबंदी से जाहिर हुआ कि वर्तमान राजस्व रिकॉर्ड अनुसार प्रतिवर्षीकरण व वाही के पिला का हक पूरा स्वता कायम किया जा चुका है। वाही जगजीत सिंह अपने पिता को प्राप्त आराजीमत व स्वता में से ही हिस्से का अधिकारी है। अतः सभी पत्रावली को पावेद किया जाना न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है। वाही को वाद इय निर्दिष्ट के साथ खारिज किया जाता है कि वाही आराजीमत माह की अवधि में अपने पिता को प्राप्त हिस्से एवं स्वता की भूमि के खजान नठपट नवीन (नया) वाद प्रस्तुत कर सकता है तब तक के लिए स्वता संख्या-3 से स्वता संख्या 44 के खजान 279 रकबा 0.1700 है, खजान नं० 280 रकबा 0.2400 है, खजान नं०-281 रकबा 0.3700, 282 रकबा 0.0600 खजान नं०-404 रकबा 0.3800, खजान नं० 405 रकबा 0.5500, खजान नं० 414 रकबा 0.7000 खजान नं० 415 रकबा 0.1200 खजान नं० 416 रकबा 0.1500 खजान नं० 417 रकबा 0.2000 खजान नं० 421 रकबा 0.3700, खजान नं०-422 र</p>

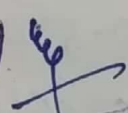
सहायक कलक्टर  
जयपुर शहर द्वितीय





162/08

# जगजीतसिंह बनाम सर्वदल फिद

क्र.सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
		<p>जाता है। इतना लिखे जाने पर साक्षी प्रतिवादी से 1 की ओर से प्रत्येक वाक्य स्वयं लिखे जाने का विधि प्रेष किया गया। येलन पत्रावली है। आदेश लिखवाये जाने पर साक्षी वाक्य स्वयं लिखे जाने का विधि का कोई मौखिक नहीं है। पत्रावली में ल श्रुमाए लोकर इति नेकर के इम होकर दाखिल इफ्त है। निर्णय आज 28/12/21 को लिखा जाकर फेर प्रमाण हुआ गया।</p> <p style="text-align: right;">             सहायक कलेक्टर            जयपुर शहर द्वितीय         </p>